

MAEC

स्नातकोत्तर (अर्थशास्त्र) उपाधि कार्यक्रम
(MAEC)

सत्रीय कार्य 2024–2025
चतुर्थ सेमेस्टर
(जून 2025 और दिसंबर 2025 सत्र में सत्रांत परीक्षा में बैठने वाले शिक्षार्थियों के लिए)



सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

Students willing to appear in the term end examination June 2025 may please note:

- 1. The two courses bearing code no. MGG 011 (Geographical Information Systems-I) and MGGL 004 (Geo Spatial Analysis), due to unavoidable circumstances are not available for offer for the fourth semester (January 2025) of MAEC programme. Hence, the students who have opted Group A can opt any one/two other courses from Group A in case willing to have specialization in Data Analytics. The students not willing to have specialization may change their choice to any other course(s) of 4 credits worth out of the four groups: A, B, C, D. Such students may submit their requests for change of the course to Registrar, SRD (registrarsrd@ignou.ac.in)**
- 2. The existing course code of MECP 101 and MECP 102 have been changed to MECP 201 and MECP 202 respectively. The Project Guides of these two courses have been uploaded with the changed course code at: [eGyanKosh: Semester-IV](#).**
- 3. The evaluation of the assignments of the students of MAEC programme who have opted MCS 226 and MCS 224 courses will be done 100% on the basis of written assignments only.**
- 4. The students attached with the study centres not activated for MCA programme will submit the assignments of MCS 226 and MCS 224 to their respective Regional**

एम.ए. (अर्थशास्त्र) चतुर्थ सेमेस्टर सत्रीय कार्य 2025

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि एमएईसी के लिए कार्यक्रम दर्शिका में वर्णित है, पाठ्यक्रम में सत्रीय कार्यों की अधिभारिता 30% है और पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको सत्रीय कार्यों में न्यूनतम 40% अंको की प्राप्ति अवश्य करनी होगी। ध्यान दें, सत्रीय कार्यों को जमा किये बिना आप सत्रांत परीक्षा नहीं दे सकते हैं। सत्रीय कार्य पूरे करने से पहले, कृपया आप अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में प्रदत्त निर्देशों को पढ़ लें। प्रत्येक पाठ्यक्रम में अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) शामिल हैं। **आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अलग से सत्रीय कार्य तैयार करके इन्हें जमा कराना है।** सुनिश्चित करें कि आपने उन सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य निर्धारित समय में जमा किए हैं, जिनकी सत्रांत परीक्षा देने की योजना आपने बनाई है। सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे। ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास निम्नलिखित समय सीमा के अंदर जमा करा देने चाहिए।

1) जून 2025 में सत्रांत परीक्षा में बैठने वाले शिक्षार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2025 है।

2) दिसंबर 2025 सत्र में सत्रांत परीक्षा में बैठने वाले शिक्षार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2025 है।

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी अपने पास रखें। अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। अध्ययन केंद्र द्वारा आपको मिले अंक मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू नई दिल्ली को भेजे जाएंगे।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) योजना : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) संगठन : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें। उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

3) प्रस्तुतीकरण : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ—साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द—सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनाओं के साथ!

कार्यक्रम संयोजक
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली

एम.जी.पी.ई-006: गाँधी के आर्थिक विचार
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोड: एमएईसी

पाठ्यक्रम कोड: एमजीपीई-006

सत्रीय कार्य कोड : एमजीपीई-006 / एएसएसटी / टीएमए / 2024-25

पूर्णांक: 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. ब्रिटिश औपनिवेशिक आर्थिक नीति की 'राष्ट्रवादी' आलोचना की जांच कीजिए।
2. इच्छाओं की बाहुल्यता और संग्रहणशीलता, दोनों ही तत्व, नैतिक पतन और सामाजिक विघटन की ओर ले जाते हैं। (गांधी)। टिप्पणी कीजिए।
3. आपके मत में गांधी के न्यासिता (ट्रस्टीशिप) के सिद्धांत की मूल विशेषतायें और गुण-दोष क्या हैं। विश्लेषण कीजिए।
4. विकास के प्रमुख प्रतिमान और विकास के गांधीवादी विचार के बीच मुख्य अंतर को स्पष्ट कीजिए।
5. भारत में आर्थिक संधारणीयता (सातत्य) और सामाजिक न्याय को उन्नत करने के लिए सरकार द्वारा कौन से उपाय किये गये हैं, समीक्षा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) भारतीय कृषकीय-अर्थव्यस्था के सम्मुख प्रमुख चुनौतियाँ
ख) गांधी की मशीन की अवधारणा
7. क) गांधी का औद्योगीकरण का प्रतिमान (Model) और इसकी वर्तमान में प्रासंगिकता
ख) रोटी श्रम (Bread Laborer) की नीति
8. क) कुटीर और कताई-बुनाई इकाइयों की भूमिका और प्रासंगिकता
ख) आर्थिक समानता सुनिश्चितीकरण के लिए गांधी का दृष्टिकोण
9. क) गांधी और अंबेडकर की आर्थिक सहमतियाँ
ख) दक्षिण अफ्रीका में गांधी का सत्याग्रह आंदोलन
10. क) स्वदेशी, सर्वोदय और संरचनात्मक कार्यक्रम
ख) गांधी की आत्म-निर्भरता की संकल्पना